केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 56 मंगलवार 15 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सीढी की दीवार गिरने से बालक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज ब्लॉक के ओझागंज गांव में सीढ़ी की दीवार गिरने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा घर के पास जमीन पर खेल रहा था। इसी दौरान एक बंदर सीढ़ी की दीवार पर कूद गया, जिससे दीवार भरभराकर बच्चे के ऊपर गिर गई। मलबे में दबने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि आरएन गौड़ घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान एक बंदर सीढ़ी की दीवार पर कूद गया। बंदर के कूदते ही दीवार अचानक गिर गई और आरएन उसके मलबे में दब गया। परिजनों और आसपास के लोगों ने बच्चे को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज कैली, बस्ती ले जाया गया।

परिजनों के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही आरएन की मौत हो चुकी थी। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने रात करीब 8 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। आरएन ओझागंज निवासी विवेक गौड़ का बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

आरएन सरस्वती ज्ञान मंदिर, बिहरा, में कक्षा एक का छात्र था। उसकी 9 साल की बहन सृष्टि भी इसी स्कूल में कक्षा दो में पढ़ती है। बच्चे की मौत से स्कूल परिवार में भी शोक फैल गया।

सांप के डसने से छात्रा की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र में सांप के डसने से कक्षा 9 की छात्रा की मौत हो गई। घटना नगर पंचायत गायघाट के वार्ड नंबर–8 स्थित अब्दुल कलाम नगर की है। 15 वर्षीय रूपाली शनिवार रात पढ़ाई करने के बाद घर के बरामदे में तख्त पर सो गई थी। रविवार सुबह करीब 4 बजे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। परिवार के लोगों को सांप के डसने की जानकारी हुई तो वे उसे तत्काल निजी वाहन से बनहरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा लेकर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद रूपाली को मृत घोषित कर दिया। रूपाली अब्दुल कलाम नगर निवासी प्रदीप प्रकाश कसौधन की बेटी थी। वह चार भाई–बहनों में सबसे बड़ी थी और गायघाट नगर पंचायत के एक निजी स्कूल में कक्षा 9 में पढ़ती थी। रूपाली की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है।

कार–बाइक की टक्कर में एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में पैड़ा चौराहे के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 52 वर्षीय कमरुद्दीन उर्फ कमलाकांत गंभीर रूप से घायल हो गए। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

कमरुद्दीन उर्फ कमलाकांत पैड़ा खरहरा गांव के रहने वाले थे। वह रविवार को बाइक से बस्ती से अपने घर लौट रहे थे। पैड़ा चौराहे के पास रुधौली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

सक्षिय रूप से प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को मिलेगा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के अधिवक्ताओं के लिए पांच लाख रुपये सालाना कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा की है। इसका लाभ हाईकोर्ट और जिला अदालतों में सक्रिय रूप से प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को मिलेगा। उन्होंने हाईकोर्ट में 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं के लिए बने चैंबर में मेंटेनेंस के लिए फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराने के लिए मुख्य न्यायमूर्ति के माध्यम से आने वाले प्रस्ताव पर सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। साथ ही 400 राज्य विधि अधिकारियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए टैबलेट देने की घोषणा की।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं के लिए चैंबर, मल्टीलेवल पार्किंग, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम और लाइब्रेरी का निर्माण कराया गया है। अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये की गई है। अधिवक्ता के निधन पर परिजनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता की आयु सीमा भी 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष की गई है।

हिन्दी दिवस पर सेन्ट्रल एकेडमी में छात्रों के बीच विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी में सोमवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिताओं का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और हिन्दी भाषा के प्रति अपने लगाव को अलग–अलग प्रस्तुतियों के माध्यम से जाहिर किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

निदेशक जे.पी. तिवारी ने कहा कि हिन्दी केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भावनाओं से जुड़ी भाषा है। बच्चों को हिन्दी के प्रति रुचि बढ़ाने और इसके सही प्रयोग के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। उप निदेशक अनुज तिवारी, प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को मातृ भाषा हिन्दी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राज श्री तिवारी, आयुष, शीनिन, आराध्या, साक्षी, ऐंजल, आदिति, अन्वी, श्रेष्ठ, गरिमा, रौनक, हिफजा, आदित्य, सोम्या, ऐंजल, अदीना, आरोही, सोनाक्षी सहित अनेक विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के इतिहास, इसकी उपयोगिता और दैनिक जीवन में इसके महत्व पर अपने विचार भी रखे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों और अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की गई। विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों को हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान और इसके अधिक से अधिक प्रयोग का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में आबिद अरशद, अतुल, फिजा अकरम, फिजा यूनुस, सुधा गोंड, अंजली कौर, आजम, सम्स, प्रियंका त्रिपाठी, रानी, रुचि आदि ने छात्रों को हिन्दी दिवस के महत्व की जानकारी दिया।

–हिन्दी हमारी संस्कृति और भावनाओं से जुड़ी भाषा–जे.पी. तिवारी

हाईवे पर डीजल चोरी करने वाला गैंग पुलिस के हत्थे चढा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी पुलिस ने हाईवे किनारे खड़े ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल सफेद रंग की वेन्यू कार और पांच नीले प्लास्टिक के जरीकेन में करीब 50 लीटर चोरी का डीजल बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी कार पर किसी राजनीतिक पार्टी का झंडा लगाकर हाईवे किनारे खड़े ट्रकों को निशाना बनाते थे। सुबह के समय ट्रक चालक जब सो रहे होते थे, तब आरोपी ट्रकों से डीजल निकालकर जरीकेन में भर लेते थे। इसके बाद चोरी का डीजल बेच देते थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी बस्ती के अलावा अंबेडकरनगर और अयोध्या समेत कई जिलों में इसी तरह की वारदात कर चुके हैं। पूछताछ में उन्होंने कुछ दिन पहले कलवारी–टांडा मार्ग पर भी इसी कार से डीजल चोरी करने की बात स्वीकार की है। सीओ हरैया स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। आदर्श वर्मा के खिलाफ अंबेडकरनगर के अलग–अलग थानों में छह मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, लवकुश चौहान के खिलाफ गोसाईगंज थाने में एक केस दर्ज है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, उन्हें कोर्ट में पेश किया जा रहा है। मामले में पकड़े गए दोनों नाबालिगों के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कि वे सफेद रंग की कार पर राजनीतिक पार्टी का झंडा लगाकर हाईवे किनारे खड़े ट्रकों की तलाश करते थे। सुबह के समय जब ट्रक चालक सो रहे होते थे, तब आरोपी ट्रकों से डीजल निकालकर जरीकेन में भर लेते थे। इसके बाद चोरी का डीजल बेच देते थे।

मातृभाषा का सम्मान सर्वोपरि– डीआईजी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

बस्ती,। हिन्दी दिवस के अवसर पर पूर्वांचल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास संस्थान के तत्वाधान में सोमवार को प्रेस क्लब बस्ती के सभागार में विचार गोष्ठी एवं सारस्वत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी रहे। वरिष्ठ पत्रकार जयंत मिश्रा, अनुराग श्रीवास्तव एवं महेन्द्र तिवारी ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआईजी संजीव त्यागी ने वर्तमान परिवेश में हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मातृभाषा अपनी अंतरात्मा की अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं, जिससे हिन्दी एक बड़े जनसमूह की भाषा बन चुकी है। हिन्दी पूरे देश में व्यापक रूप से बोली, समझी और जानी जाती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी हिन्दी को स्थान मिल रहा है, जो इसके विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मातृभाषा का सम्मान सदैव सर्वापरि रहना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मातृभाषा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने और समाज में जागरुकता पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के हिन्दी साहित्य में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न दौर में अंग्रेजी को बढ़ावा मिला, लेकिन हिन्दी की विकास यात्रा कभी रुकी नहीं। उन्होंने कहा कि हिन्दी के विकास की यात्रा को रोक पाना असंभव है। यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहनी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सत्यव्रत एवं मजहर आजाद ने हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिन्दी का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने बस्ती जनपद की हिन्दी साहित्यिक परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्ती की धरती साहित्यकारों से समृद्ध रही है। यहां के अनेक साहित्यकारों ने हिन्दी के विकास और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वरिष्ठ पत्रकार जयंत मिश्रा ने कहा कि मातृभाषा के माध्यम से व्यक्ति अपनी भावनाओं और विचारों को सहजता से व्यक्त कर सकता है। हिन्दी से जुड़े करोड़ों लोग अपने दैनिक बोलचाल और कार्यव्यवहार में इसका प्रयोग करते हैं। हिन्दी की विकास यात्रा को और गति देने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक भाषा का अपना महत्व है। जिस प्रकार प्रत्येक नदी का अपना स्वरूप और विशेषता होती है, उसी प्रकार हिन्दी की अपनी विशिष्ट पहचान है। हिन्दी हमारी मातृभाषा है और इसे जन–जन की भाषा बनाने के लिए व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी दिवस केवल औपचारिक आयोजन का अवसर नहीं, बल्कि हिन्दी के प्रति सम्मान और संकल्प का उत्सव है।

कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार आलोक त्रिपाठी, राजेश चित्रगुप्त, अंजुम परवीन, बीएन शुक्ला सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। संस्थान के अध्यक्ष महेन्द्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इसे और समृद्ध एवं व्यापक बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। उन्होंने बस्ती जनपद के हिन्दी साहित्य की समृद्ध परम्परा का परिचय कराते हुए हिन्दी को जन–जन तक पहुंचाने और दैनिक जीवन में अधिकाधिक अपनाने का आह्वान किया।

प्रसिद्ध शायर एवं कवि सलीम बस्तवी ने अपनी रचना 'इस देश की सरहद की निगहबान है हिन्दी' प्रस्तुत कर हिन्दी और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना को और प्रबल किया। कवि अजीत श्रीवास्तव 'राज', राजेन्द्र सिंह 'राही', तेज प्रकाश शुक्ला, श्रीमती अंजू वर्मा सहित अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। डॉ. वीके वर्मा ने हिन्दी पर आधारित अपनी रचना सुनाते हुए लोगों से हिन्दी को अधिकाधिक अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कृष्णदेव मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि हिन्दी के विकास एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और साहित्यकारों व समाज के सभी वर्गों को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

समारोह में वरिष्ठ पत्रकार केडी मिश्र, आलोक त्रिपाठी, कवि दीपक सिंह 'प्रेमी', तेजप्रकाश शुक्ला, राजेन्द्र सिंह 'राही', सलीम बस्तवी 'अजीजी', अजीत श्रीवास्तव 'राज', डॉ. वीके वर्मा, बाल कवि गरिमा श्रीवास्तव, श्रीमती अंजू वर्मा (हिन्दी प्रवक्ता, जीजीआईसी) तथा अंजुम परवीन (हिन्दी प्रवक्ता, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज) को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव, गोकरन नारायण पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव 'बिन्नू', सुनील सोनी, प्रमोद श्रीवास्तव, मो. कलीम, विपिन मिश्रा, सुनील मिश्र, पारसनाथ मौर्य, गणेश प्रसाद, ब्रह्मसेवक पाण्डेय, रमेश मिश्र, अमित सिंह, संतोष तिवारी, राजेश कुमार ओझा, विश्राम प्रसाद, रत्नेन्द्र पाण्डेय, विकास चौधरी, अजय पाल सिंह, रामसजन, नवीन सिंह कपीश मिश्र, इन्द्रभूषण चौबे, दिनेश कुमार पाण्डेय, हनुमान प्रसाद, दिलीप सिंह, शैलेन्द्र कुमार, राधेकृष्ण द्विवेदी, देवानन्द पाण्डेय, के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अब हिन्दी में भी आयेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सारांश

नई दिल्ली। हिन्दी दिवस यानी 14 सितंबर के मौके पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब हिंदी में एक नई पब्लिक इन्फॉर्मेशन सर्विस (जन–सूचना सेवा) शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत, चुने हुए अहम फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी सारांश उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, मुख्य फैसलों को समझाने के लिए रोजाना 15–30 मिनट के ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किए जाएंगे। हिंदी दिवस पर घोषित इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के अहम फैसलों और उनके असर को आम नागरिकों और मुकदमेबाजों तक आसानी से पहुंचाना है, खासकर उन लोगों तक जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में मुश्किल होती है।

एक प्रेस बयान में कहा गया है कि जरूरी इंतजाम पूरे होने के बाद जल्द ही यह हिंदी सेवा शुरू कर दी जाएगी। हर सारांश के साथ संबंधित आधिकारिक फैसले या आदेश का लिंक भी दिया जाएगा, ताकि यूजर्स कोर्ट के असली दस्तावेज तक पहुंच सकें। ऑडियो और वीडियो बुलेटिन का मकसद अहम फैसलों, उनके असर और उनसे जुड़ी आगे की कार्रवाई को समझने का आसान जरिया उपलब्ध कराना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पहल से दिव्यांग लोगों को भी फायदा होगा। शीर्ष अदालत ने न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाने और भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के लिए काम शुरू किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार, इसका उद्देश्य न्याय तक पहुंच को अधिक समावेशी बनाना और भारतीय भाषाओं को दिए जाने वाले सम्मान को न्यायिक सूचनाओं के सार्वजनिक प्रसार से जोड़ना है। सरल भाषा के साथ ऑडियो और वीडियो प्रारूप का इस्तेमाल उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा, जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में कठिनाई होती है। यह सेवा शुरुआत में हिंदी में उपलब्ध होगी और जल्द ही चरणबद्ध तरीके से इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के लिए काम शुरू किया जाएगा।

डायट प्राचार्य के व्यवहार से शिक्षकों में नाराजगी, डीएम से जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डायट प्राचार्य एवं सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल के कार्य–व्यवहार को लेकर शिक्षकों की नाराजगी मुखर हो गई है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद सिंह एवं जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में सोमवार को संगठन के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। संगठन ने आरोप लगाया कि प्रशिक्षण एवं बैठकों के दौरान शिक्षकों के साथ कथित रूप से अमर्यादित व्यवहार किया जा रहा है और चेतावनी दी कि प्रभावी कार्रवाई न होने पर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

संगठन ने विशेष रूप से 10 सितंबर 2026 को बहादुरपुर विकासखंड के समस्त प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण के दौरान हुई एक घटना का उल्लेख करते हुए इसे गंभीर बताया है। शिक्षक संगठन के अनुसार बैठक में शौचालय एवं यूरिनल से जुड़े विषय को लेकर महिला शिक्षकों के साथ कथित रूप से अशोभनीय और अपमानजनक व्यवहार किया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि महिला शिक्षिकाओं को यह कहकर अपमानित किए जाने का आरोप है कि उन्हें शौचालय का प्रयोग करना नहीं आता। इस घटना से महिला शिक्षिकाएं अत्यन्त आहत हुईं और कुछ शिक्षिकाएं भावुक होकर प्रशिक्षण कक्ष में ही रोने लगीं। संगठन ने कहा कि यह मामला केवल शिक्षकों के सम्मान तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला शिक्षकों की गरिमा, कार्यस्थल की मर्यादा तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण से जुड़ा गंभीर विषय है। ज्ञापन में मांग की गई कि संजय कुमार शुक्ल के विरुद्ध उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराकर दोष पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। संगठन ने शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर आयोजित कराने, शिक्षक संगठनों एवं विभागीय बैठकों को बीआरसी अथवा न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित करने तथा महिला शिक्षकों के साथ सम्मानजनक और मर्यादित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी करने की भी मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि भविष्य में शिक्षकों के साथ इस प्रकार का कथित अमर्यादित व्यवहार जारी रहा और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो शिक्षक संगठन लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण ढंग से धरना–प्रदर्शन और आंदोलनात्मक कार्यक्रम करने को बाध्य होगा।

–कार्रवाई न होने पर दिया आन्दोलन की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रवीण श्रीवास्तव, अखिलेश पाण्डेय, बब्बन पाण्डेय, अविनाश दुबे, मुरलीधर वर्मा, हरेंद्र यादव, संतोष पाण्डेय, वीरेंद्र शुक्ला, रजनीश यादव, वेद उपाध्याय, समीउल्लाह अंसारी, विजय यादव, अनिल पाठक, सनद पटेल, विजय, विवेक सिंह, सुरेश गौड़, संतोष पाण्डेय, सुरेंद्र यादव, ध र्माराज यादव, संजय यादव, प्रमोद सिंह, बिंदेश्वरी मिश्र, डॉ अश्वनी, बब्बन पाण्डेय, धर्मेंद्र, विशाल सिंह, आसाराम, राजेश, अनुराग श्रीवास्तव, शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल शामिल रहे।

सार्वजनिक रास्ते पर अवरोध हटाने की मांग, 21 से भूख हड़ताल की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के बरसांव निवासी मनोज कुमार पुत्र सीताराम ने गांव के सार्वजनिक रास्ते पर कथित अतिक्रमण एवं निर्माण कर रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत जिलाधिकारी से की है। शिकायतकर्ता ने राजस्व अधिकारियों से मौके की जांच कराकर रास्ते की पैमाइश कराने तथा अवरोध हटाकर आमजन के आवागमन के लिए रास्ता खुलवाने की मांग की है।

जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में मनोज कुमार ने कहा है कि हरैया तहसील क्षेत्र के गांव में बरसांव आराजी संख्या 297 क व 497 में नवीन परती की भूमि है। इस भूमि से होकर ग्रामीणों के आवागमन के लिए रास्ता लंबे समय से चलता आ रहा है। आरोप है कि कुछ लोगों ने रास्ते में बांस–बल्ली लगाकर उसे अवरुद्ध कर दिया तथा निर्माण कर रास्ता बंद कर दिया। शिकायतकर्ता ने चेतावनी दी है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर वह अन्य ग्रामीणों के साथ 21 सितंबर 2026 से जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

शिकायतकर्ता के अनुसार, इस संबंध में पूर्व में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद उप जिलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया। आरोप है कि सार्वजनिक रास्ता खुलवाने के बजाय वैकल्पिक रूप से दूसरे की भूमि से होकर एक पगडंडी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित भूमि को लेकर दीवानी न्यायालय में मुकदमा भी विचाराधीन है और प्रकरण का निस्तारण होने के बाद वैकल्पिक रास्ता भी बंद होने की आशंका है।

मनोज कुमार ने जिलाधिकारी से प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राजस्व अधिकारियों की मौके पर जांच एवं स्थलीय निरीक्षण कराने, सार्वजनिक रास्ते की पैमाइश एवं सीमांकन कराने तथा रास्ते में किए गए कथित अवरोध को हटाकर आमजन के आवागमन के लिए रास्ता खुलवाने की मांग की है।

उन्होंने प्रशासन से समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर किसी अप्रिय स्थिति को रोकने की मांग की है। डीएम को ज्ञापन सौंपने के दौरान सीताराम, श्रीराम, लालचंद, संदीप कुमार, सुरेश कुमार, राजकुमारी, सन्तोष कुमार, मनोज कुमार आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 सितम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

बसपा में घमासान

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के भीतर मचे घमासान से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि आखिर पार्टी का परंपरागत दलित वोट बैंक अब किस दिशा में जाएगा। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और अपने उत्तराधिकारी के पद से हटाया था, और महज एक हफ्ते बाद 10 सितंबर को उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी पूरी तरह मुक्त कर दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने भी इसी दौरान सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे बसपा के भीतर पारिवारिक विवाद खुलकर सामने आ गया। हाल ही में लखनऊ में मीडिया से बातचीत में मायावती ने अपनी सेहत को लेकर उड़ी अफवाहों और आकाश आनंद के एक फोन कॉल का जिक्र करते हुए कड़ी नाराजगी भी जताई। इस पूरे प्रकरण ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा की संगठनात्मक स्थिति को कमजोर कर दिया है, और यही कमजोरी अब दूसरे दलों के लिए मौका बन गई है। मायावती के फैसले के फौरन बाद नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद के लिए अपनी पार्टी का दरवाजा खोल दिया। चंद्रशेखर ने आकाश को छोटा भाई बताते हुए कहा कि दोनों मिलकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ा सकते हैं। अब मुरादाबाद पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के प्रमुख रामदास आठवले ने भी यही कोशिश दोहराई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यूपी में बसपा से अपना हक वापस लेने का आह्वान किया और याद दिलाया कि सत्तर के दशक में जो चुनाव चिह्न आरपीआई के पास था, वही अब बसपा इस्तेमाल कर रही है। आठवले ने साफ कहा कि अगर आकाश आनंद बाबा साहेब के मिशन को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें आरपीआई से जुड़ना चाहिए, इससे यूपी में संगठन मजबूत होगा। इससे पहले समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी एक पत्रकार के सवाल पर कह चुके हैं कि अगर कोई पत्रकार आकाश आनंद को उनके पास लेकर आए तो वे उन्हें सपा में शामिल कर लेंगे।

इन तीनों दलों की दिलचस्पी में एक साझा गणित छिपा है। आकाश आनंद भले ही संगठनात्मक तौर पर अभी अनुभवहीन माने जाते रहे हों, लेकिन बसपा के युवा और शहरी दलित समर्थकों में, खासकर सोशल मीडिया पर, उनकी पकड़ काफी मजबूत रही है। मायावती लंबे समय से खुद को बाबा साहेब के मिशन और कांशीराम की विरासत का इकलौता वाहक बताती रही हैं, और आकाश को उन्होंने ही इस विरासत का अगला चेहरा बनाकर पेश किया था। ऐसे में अगर आकाश किसी और दल से जुड़ते हैं तो वे उस दल को बसपा की वैचारिक विरासत और उसके जनाधार, दोनों से जोड़ने वाली एक कड़ी बन सकते हैं। यही वजह है कि चंद्रशेखर आजाद और रामदास आठवले जैसे नेता, जो खुद अंबेडकरवादी राजनीति की जमीन पर खड़े हैं, आकाश को अपने पाले में लाकर बसपा के कमजोर पड़ते जनाधार का सीधा फायदा उठाना चाहते हैं।बसपा का दलित वोट बैंक, खासकर जाटव समुदाय के बीच, उत्तर प्रदेश की सियासत में दशकों से एक निर्णायक ताकत रहा है। यह वोट बैंक भले ही पिछले कुछ चुनावों में सिकुड़ता दिखा हो, फिर भी यह इतना बड़ा जरूर है कि जिस भी गठबंधन या दल के साथ यह जुड़ जाए, चुनावी नतीजों की दिशा बदल सकता है। मौजूदा उथल—पुथल के बीच कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है और आरोप लगाया है कि मायावती खुद अपनी पार्टी को कमजोर करने पर तुली हैं, जबकि सपा प्रवक्ताओं की ओर से भी बसपा पर परोक्ष रूप से भाजपा की नीतियों का साथ देने के आरोप लगाए गए हैं। यानी विपक्षी खेमे के लगभग सभी बड़े दल इस मौके को बसपा के परंपरागत मतदाताओं में सेंध लगाने के अवसर के तौर पर देख रहे हैं। दरअसल हर दल की रणनीति अलग है। चंद्रशेखर आजाद खुद दलित राजनीति की जमीन पर खड़े हैं और सीधे तौर पर बसपा के वोट बैंक के प्रतिद्वंद्वी दावेदार हैं, इसलिए उनके लिए आकाश आनंद जैसा चेहरा मिलना वैचारिक तालमेल के साथ—साथ संगठनात्मक विस्तार का भी मौका है। रामदास आठवले और आरपीआई के लिए यह मौका उत्तर प्रदेश में लगभग खत्म हो चुकी अपनी राजनीतिक जमीन को फिर से खड़ा करने का है, भले ही आरपीआई फिलहाल एनडीए का हिस्सा है। वहीं सपा और कांग्रेस के लिए यह मौका अपने मौजूदा सामाजिक समीकरण, यानी पिछड़ा—मुस्लिम या सामान्य—दलित गठजोड़ में दलित वोटों की और ज्यादा हिस्सेदारी जोड़ने का है।

यह कहना जल्दबाजी होगी कि अगर बसपा कमजोर होती है तो उसका दलित वोट बैंक स्वाभाविक रूप से किसी एक दल की तरफ खिसक जाएगा। राजनीतिक विश्लेषक इसे अलग—अलग नजरिए से देखते हैं। एक तबके का मानना है कि कांग्रेस के पास राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय और आरक्षण जैसे मुद्दों पर मुखर रुख और राहुल गांधी की सक्रियता के चलते दलित मतदाताओं को लुभाने की गुंजाइश है, लेकिन राज्य में संगठन की कमजोरी उसकी सबसे बड़ी बाधा है। दूसरी तरफ सपा के पास यूपी में पहले से मजबूत जमीनी ढांचा और पिछड़ा—मुस्लिम आधार मौजूद है, जिसमें दलित वोटों को जोड़ने से एक बड़ा सामाजिक गठजोड़ बन सकता है, हालांकि गैर—जाटव दलितों में सपा को लेकर कुछ हिचक भी देखी जाती रही है। भाजपा की रणनीति अलग रही हैय उसने पिछले कुछ चुनाव चक्रों में गैर—जाटव दलित उपजातियों में सेंध लगाकर और सरकारी योजनाओं के जरिए एक हिस्सा अपने पक्ष में किया है, लेकिन जाटव मतदाताओं में उसकी पैठ अब भी सीमित मानी जाती है।कुल मिलाकर बसपा का जनाधार बिखरा तो जरूर रहा है, पर यह एकतरफा किसी एक दल की झोली में जाने के बजाय कई दलों में बंटने की संभावना ज्यादा है। यही अनिश्चितता है जिसके चलते चंद्रशेखर आजाद से लेकर रामदास आठवले और अखिलेश यादव तक, हर कोई आकाश आनंद जैसे प्रतीकात्मक चेहरे को अपने साथ जोड़कर इस बिखरते जनाधार पर सबसे पहला दावा ठोकना चाहता है। 2027 के विधानसभा चुनाव तक यह तय होगा कि बाबा साहेब के नाम पर बंटी यह राजनीतिक लड़ाई आखिरकार किस दल को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाती है।

इसरो का बदलता स्वरूप और आशंकाएं

—मुकुल व्यास—

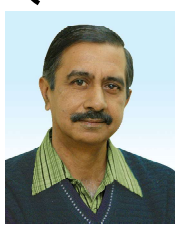

इसरो में निजीकरण की आशंकाओं से कर्मचारियों में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया। दरअसल नोडल एजेंसी इन—स्पेस के प्रमुख के बयानों के बाद कर्मचारी संघों ने इसरो की भविष्य की भूमिका, भर्ती और नौकरी सुरक्षा पर सवाल उठाए। यह भी कि क्या एजेंसी अंततः सिर्फ आरएंडडी संस्थान बनकर रह जाएगी, जबकि लांच व्हीकल और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, टेस्टिंग और ऑपरेशन बाहर चला जाएगा। इस पर इसरो चेयरमैन ने भरोसा दिया कि संगठन का निजीकरण नहीं होगा। दरअसल, नीतिगत उद्देश्य निजी भागीदारी बढ़ाकर भारत के अंतरिक्ष इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी का विस्तार करना है, जबकि इसरो रिसर्च और रणनीतिक मिशनों का नेतृत्व करता रहेगा।

भारत को अंतरिक्ष में ऊंचाइयों पर ले जाने वाले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो में इन दिनों काफी बेचैनी और अनिश्चितता का माहौल है। जो निजीकरण की चिंताओं से उपजा है। इसरो ने भारत के अग्रणी संस्थान के निजीकरण की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की है और कहा है कि अंतरिक्ष एजेंसी की भूमिका कम नहीं होगी। इसरो का यह स्पष्टीकरण संस्थान के कर्मचारियों की नौ एसोसिएशनों द्वारा पूछे गए सवालों के बाद आया है। ये संघ जानना चाहते हैं कि निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने से इसरो के मौजूदा मुख्य कार्यों,कर्मचारियों और भर्ती पर क्या असर पड़ेगा। उनकी चिंता है कि सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से स्पेस एजेंसी की भूमिका कम हो सकती है।

इसरो के चेयरमैन वी.नारायणन ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि न तो संस्थान का निजीकरण होगा और न ही भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसका महत्व कम होगा। एजेंसी एक सरकारी संगठन बना रहेगा और प्राइवेट कंपनियों व स्टार्टअप्स की बढ़ती भागीदारी का मकसद इसरो की जिम्मेदारियों को कम करना नहीं, बल्कि भारत के स्पेस इकोसिस्टम का विस्तार करना है। स्पष्टीकरण में कहा गया कि अंतरिक्ष एजेंसी एडवांस्ड स्पेस रिसर्च, रणनीतिक मिशन, स्पेस साइंस और नई क्षमताओं के लिए देश की मुख्य संस्था बनी रहेगी। नारायणन ने कर्मचारियों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को दूर करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने स्पेस इकोसिस्टम की बात कह कर एक तरह से इसरो में निजीकरण की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है और उसे उचित भी बताया है।

नयी नीति और कर्मियों की चिंताएं

नौ कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को नारायणन को लिखे पत्र में इसरो के मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कार्यों को प्राइवेट संस्थाओं और पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) को सौंपने के प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा था। संघों ने इसरो की भविष्य की भूमिका पर इन बदलावों के नतीजों के बारे में भी पूछा था। कर्मचारियों की चिंता खास तौर पर इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन—स्पेस) के चेयरमैन पवन गोयनका की 21 अगस्त की टिप्पणियों से बढ़ गई है। गोयनका ने कहा था कि इसरो धीरे—धीरे प्रक्षेपण वाहनों का निर्माण बंद कर देगा और इनका प्रोडक्शन प्राइवेट कंपनियों या पीएसयू द्वारा किया जाएगा। कर्मचारियों संघों ने सवाल उठाया कि क्या गोयनका की टिप्पणियां सरकार की स्वीकृत नीति को दर्शाती हैं? इसके कानूनी—प्रशासनिक आधार,चरणों और मौजूदा कर्मचारियों पर पड़ने वाले असर के बारे में कोई औपचारिक जानकारी क्यों नहीं दी गई?

इसरो इस समय एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। कुछ दिनों पहले 100 से अधिक वैज्ञानिकों के नौकरी छोड़ने की खबरें आई थीं। 'गगनयान' जैसे अहम मिशन से जुड़े लोगों सहित कई कर्मचारियों के जाने के कारण,अंतरिक्ष विभाग ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं से इस्तीफा देने और वीआरएस लेने से जुड़े नियमों को कड़ा कर दिया है। प्राइवेट स्पेस और एयरोस्पेस कंपनियों की ओर अनुभवी वैज्ञानिकों के जाने की खबरें भी आ रही हैं। ये कंपनियां बेहतर पद और वेतन दे सकती हैं, जिससे इसरो की अपनी तकनीकी प्रतिभा को बनाए रखने की क्षमता पर चिंता बढ़ गई है।

यह मामला सिर्फ प्राइवेट कंपनियों के उस सेक्टर में आने का नहीं है जहां वे पारंपरिक रूप से इसरो को पुर्जे सप्लाई करती रही हैं। सरकार के स्पेस सेक्टर सुधार 2020 में शुरू हुए और बाद में भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के जरिए इन्हें संस्थागत रूप दिया गया। इस नीति में इंडस्ट्री की स्पेस वैल्यू चेन में बहुत बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के नेतृत्व वाला एक कंसोर्टियम पहले से ही इसरो का पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (पीएसएलवी) बना रहा है, जबकि स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) की टेक्नोलॉजी एचएएल को ट्रांसफर कर दी गई है।

कर्मचारी संघों का कहना है कि इस मामले में सिर्फ इस बात का भरोसा काफी नहीं है कि इसरो का औपचारिक रूप से निजीकरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एजेंसी अंततः सिर्फ एक रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) संस्थान बनकर रह जाएगी, जबकि लांच व्हीकल और इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, टेस्टिंग और ऑपरेशन पब्लिक सेक्टर से बाहर चला जाएगा। उन्होंने स्वीकृत पदों, भविष्य की भर्ती, कैरियर में तरक्की और इन—हाउस तकनीकी विशेषज्ञता के संभावित नुकसान पर भी चिंता जताई है। कर्मचारियों के पत्र में बताया गया है कि इसरो पहले ही इंडस्ट्री को लगभग 120 टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कर चुका है।

इसरो के चेयरमैन कहते हैं कि भारत के तेजी से बढ़ते महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए निजी भागीदारी का विस्तार जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम 64—65 साल पुराना है और अभी देश की सेवा के लिए पृथ्वी की कक्षा में 56 स्पेस एसेट्स हैं, लेकिन आगे की जरूरतें कहीं ज्यादा हैं। स्पेस सेक्टर सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसरो से उम्मीद की जाती है कि वह प्राइवेट कंपनियों और स्टार्टअप्स का मार्गदर्शन करे और एक बड़ा स्पेस इकोसिस्टम बनाने में मदद करे। उन्होंने कहा,असल में, जब भी कोई पीएसएलवी या जीएसएलवी लांच होता है, तो लगभग 80 प्रतिशत बजट भारतीय उद्योगों में निवेश किया जाता है। कुल 450 उद्योग इसरो के लिए काम कर रहे हैं। नारायणन ने यह भी माना कि कर्मचारी संघों द्वारा उठाई गई चिंताएं जायज हैं और उनका समाधान करना संगठन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत को आखिरकार हर साल लगभग 50 लॉन्च व्हीकल की जरूरत होगी, जिसके लिए एक बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल बेस जरूरी है।

नारायणन ने कहा, अब हमारे पास बहुत सारी गतिविधियां हैं। देश में स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना होगा। उन्होंने पिछले वर्षों में भारत के प्रक्षेपण कार्यक्रम के जबरदस्त विस्तार की ओर भी इशारा किया। स्पेस विजन 2047 के संदर्भ में इसरो चेयरमैन ने कहा कि 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने, 2040 तक चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने,अगली पीढ़ी के और दोबारा इस्तेमाल होने वाले लांच सिस्टम विकसित करने, चंद्रमा और ग्रहों की निरंतर खोज करने और भारत को एक बड़ी वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी के लिए इसरो को एडवांस्ड रिसर्च और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसरो का कहना है कि अंतरिक्ष विभाग समग्र नीतिगत दिशा—निर्देश देता है,जबकि इसरो एडवांस्ड आरएंडडी, टेक्नोलॉजी विकास और राष्ट्रीय मिशनों के लिए मुख्य संगठन बना हुआ है। इन—स्पेस गैर—सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सुविधाजनक बनाता है और मंजूरी देता है। इसरो ने आगे कहा कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक क्षमताओं का मालिकाना हक और नियंत्रण सरकार के पास ही रहेगा। जहां उचित होगा, वहां ऑपरेशन और सेवाओं में निजी भागीदारी को सक्षम किया जाएगा और यह राष्ट्रीय सुरक्षा, संरक्षा और अन्य नियामक आवश्यकताओं के अधीन होगा।

इस मुद्दे ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है, जिसमें विपक्ष ने सरकार पर इसरो की भूमिका को जानबूझकर कम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के नाम पर दशकों में बनाई गई क्षमताओं को प्राइवेट कंपनियों को सौंप रही है, जिनकी लंबी अवधि की प्रतिबद्धता अनिश्चित है। कांग्रेस ने इसरो के पूर्व चेयरमैन जी. माधवन नायर द्वारा पहले जताई गई चिंताओं का भी जिक्र किया। माधवन नायर ने रॉकेट निर्माण और प्रक्षेपण केंद्र संचालन को निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को सौंपने की योजनाओं का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों को प्रक्षेपण स्थलों का संचालन सौंपना खतरनाक विचार है। इसरो में निजीकरण के प्रयासों पर कर्मचारियों का पत्र ऐसे समय आया है जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन को जीएसएलवी— एफ 17dइओएस—05 मिशन के साथ इस साल अपनी पहली बड़ी कामयाबी मिली है।

हाल के महीनों में 100 से 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इसरो से इस्तीफा दिया है या स्वैच्छिक रिटायरमेंट ली है। रिपोर्टों के अनुसार, बेंगलुरु में यू.आर.राव सैटेलाइट सेंटर से लगभग 80 और तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर से लगभग 20 लोगों ने संस्थान छोड़ा है। मानव अंतरिक्ष उड़ान गगनयान मिशन,एलवीएम3 रॉकेट प्रोग्राम और चंद्रयान मिशनों जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाले मुख्य कर्मचारी चले गए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि वैज्ञानिकों के छोड़ने की मुख्य वजह भारत में बढ़ रही प्राइवेट स्पेस इंडस्ट्री में ज्यादा तरक्की और सैलरी रही है। काम का बोझ और नौकरशाही भी वजहें हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने दखल देते हुए 2020 की संबंधित पॉलिसी बदल दी। अब सेंटर डायरेक्टर ग्रुप ए के वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे या स्वैच्छिक रिटायरमेंट को सीधे मंजूरी नहीं दे सकते। ऐसे सभी अनुरोधों को अब अंतिम मंजूरी के लिए अंतरिक्ष विभाग को भेजना होगा। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने माना कि कर्मचारी चले गए हैं, उनकी जगह भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

इसरो के कर्मचारी इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन—स्पेस) के प्रमुख पवन गोयनका के हालिया बयान से विचलित हुए हैं। एक कार्यक्रम में गोयनका ने कहा था कि इसरो कोई प्रक्षेपण यान नहीं बनाएगा। यह काम प्राइवेट सेक्टर या पीएसयू करेंगे। इसरो रोजमर्रा के काम वाले सैटेलाइट नहीं बनाएगा। वह वैज्ञानिक रिसर्च के लिए ऑर्बिट में भेजे जाने वाले सैटेलाइट या नई तकनीक विकसित करने वाले सैटेलाइट जैसे खास मकसद वाले सैटेलाइट बनाएगा जिन्हें बाद में प्राइवेट सेक्टर को सौंप दिया जाएगा। नौकरी की सुरक्षा को लेकर इसरो कर्मचारी संघों द्वारा उठाई गई चिंताओं के जवाब में गोयनका ने कहा कि इसरो की भूमिका किसी भी तरह से कम नहीं हो रही है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का आधार बना रहेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियमित विनिर्माण कार्य निजी क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाएगा,लेकिन इसरो के वर्तमान कर्मचारियों को नौकरी में कटौती का सामना करने के बजाय पुनरू प्रयोज्य प्रक्षेपण यान और बड़े उपग्रह कार्यक्रमों जैसी अधिक प्रभाव वाली परियोजनाओं में स्थानांतरित किया जाएगा। इसरो अपनी तकनीक का विकास और उपयोग जारी रखेगा। —लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

फिर सुर्खियों में समान नागरिक संहिता

—नीरज कुमार दूबे—

समान नागरिक संहिता पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद देश की राजनीति में जैसे भूचाल—सा आ गया है लेकिन हंगामा कर रहे लोगों को समझना चाहिए कि Uniform Civil Code का विचार आज की राजनीतिक बहस की उपज नहीं है। संविधान निर्माताओं ने ही इसकी कल्पना की थी और संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को पूरे देश में समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करने का निर्देश दिया गया। संविधान सभा में डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने भी स्पष्ट किया था कि विवाह और उत्तराधिकार जैसे क्षेत्रों को समान नागरिक कानून के दायरे में लाने की संवैधानिक मंशा है। यानी न्ब्ब संविधान की मूल बहस का हिस्सा था, कोई अचानक सामने आया राजनीतिक एजेंडा नहीं। इसके बावजूद आजादी के बाद लंबे समय तक वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति के चलते कांग्रेस तथा उसके समर्थन वाली सरकारें विभिन्न समुदायों के निजी कानूनों को छूने से बचती रहीं। मगर नरेंद्र मोदी सरकार इस मुद्दे पर चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ताजा बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। मुंबई में अमित शाह ने कहा कि 2029 से पहले भाजपा—एनडीए शासित सभी 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि तीन तलाक खत्म कर मुस्लिम महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में कदम उठाया गया है और कई राज्यों में UCC की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। शाह का संदेश साफ है कि मोदी सरकार UCC को केवल चुनावी घोषणा बनाकर छोड़ने के मूड में नहीं है, बल्कि राज्य सरकारों के जरिए इसे विस्तार देने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है।

उधर, अमित शाह के इस ऐलान के साथ ही विपक्ष ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने में देर नहीं की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि किसी भी विचारधारा को संविधान से ऊपर नहीं रखा जा सकता। उन्होंने उत्तराखंड और दूसरे राज्यों में लागू या प्रस्तावित न्ब्ब को उच्च न्यायपालिका की कसौटी पर परखे जाने की बात कही और कहा कि मौलिक अधिकार तथा धार्मिक स्वतंत्रता जैसे सवालों पर अंतिम निर्णय अदालतों को करना होगा। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किया कि UCC से बेरोजगारी, महंगाई या पेट्रोल—डीजल की कीमतों जैसी आर्थिक समस्याएं कैसे दूर होंगी। उनका आरोप है कि सरकार इस मुद्दे के जरिए मुसलमानों को निशाना बनाने की राजनीति कर रही है।

देखा जाये तो यहीं से UCC की असली राजनीतिक लड़ाई सामने आती है। एक पक्ष इसे समानता, लैंगिक न्याय और एक समान नागरिक अधिकारों की दिशा में संवैधानिक कदम बता रहा है, तो दूसरा पक्ष इसे धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों से जोड़कर देख रहा है। लेकिन राजनीतिक आरोपों से अलग इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि UCC का संवैधानिक आधार मौजूद है और व्यक्तिगत कानूनों से जुड़े विषयों पर कानून बनाने का अधिकार राज्यों और केंद्र दोनों के पास है। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण जैसे विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की समवर्ती सूची में आते हैं। इसलिए केवल संसद से केंद्रीय कानून की प्रतीक्षा करने की बजाय राज्य भी अपने—अपने स्तर पर कानून बना सकते हैं।

सबसे अहम बात यह है कि अब UCC को लेकर बहस केवल राजनीतिक मंचों तक सीमित नहीं है। मार्च 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के उन प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि UCC का समय आ गया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने यह भी संकेत दिया था कि अगर मुस्लिम उत्तराधिकार कानून के किसी प्रावधान को रद्द कर दिया गया तो वैधानिक व्यवस्था में खालीपन पैदा हो सकता है। अदालत ने यह सवाल भी उठाया था कि ऐसे व्यापक बदलाव का रास्ता न्यायपालिका की बजाय विधायिका के माध्यम से क्यों न निकले। यानी सुप्रीम कोर्ट ने UCC की संवैधानिक बहस को नकारा नहीं, बल्कि व्यापक कानून बनाने की जिम्मेदारी विधायिका की ओर इंगित की।

यही नहीं, विधि आयोग का रिकॉर्ड भी इस बहस को एकतरफा नहीं रहने देता। 21वें विधि आयोग ने 2018 में ^Reforms of Family Law* परामर्श पत्र जारी किया था। बाद में 22वें विधि आयोग ने जून 2023 में UCC पर नए सिरे से जनता, धार्मिक संगठनों और दूसरे हितधारकों से सुझाव मांगे। सरकार के अनुसार 21वें आयोग ने अंतिम रिपोर्ट नहीं दी और 22वां आयोग भी न्ब्ब पर अपनी रिपोर्ट पूरी नहीं कर सका। इस तरह यह मामला व्यापक परामर्श और विधायी विकल्पों की पड़ताल की प्रक्रिया में रहा है।

कूटनीति के खेल में भारत की अहम भूमिका

—प्रमोद भार्गव—

दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन—2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुपक्षीय बैठकों के जरिए वैश्विक अनिश्चितताओं और अस्थिरताओं के बीच बड़ी साफगोई से विश्व को नई दिशा देने का काम किया है। जबकि सम्मेलन में आतंकवाद और परमाणु नीति अपनाने वाले देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मौजूद थे। पश्चिम एशिया संघर्ष पर ईरान, सऊदी अरब और यूएई परस्पर विपरीत रुख अपनाने वाले देश भी थे। यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तेवर अपनाए हुए हैं। बावजूद भारत ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को बातचीत से हल निकालने का शांति—पाठ पढ़ाया। साथ ही जिस गर्मजोशी और उत्सुकता से पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात मोदी ने कराई, उसे भारत, चीन और रूस के त्रिपक्षीय समूह के बीच समन्वय और गतिशीलता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। इन मुलाकातों के बाद आपसी सहमति से जो घोषणा—पत्र जारी हुआ है, उसे भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

कभी—कभी पूर्वानुमान हकीकत की कसौटी पर खरे उतरते हैं। 2008 में जब दुनिया आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही थी, तब ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री डेविड मिलीबैंड ने अपने देश के राजनयिकों से कहा था कि वे 'विश्व संदर्भ में अपना दृष्टिकोण बदलें, क्योंकि विश्व अर्थव्यवस्था के साथ, भारत और चीन के मजबूती से जुड़ जाने के कारण भविष्य में शक्ति केंद्र पश्चिम से हस्तांतरित होकर पूरब का रुख करने की तैयारी में है।' यह बात ब्राजील के समुद्रतटीय शहर फोर्टालेजा में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन संपन्न होने के बाद कही थी। अब दिल्ली में आयोजित हुए सम्मेलन में यह तथ्य मजबूती से उभरा है कि विश्व के नए शक्ति केंद्र का उदय एशिया में हो सकता है, इसका संकेत साझा घोषणा पत्र से मिल गया है।

ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार ऐसा अजूबा देखने में आया है कि अलग—अलग रणनीतिक, सामरिक और आर्थिक हितों वाले देशों का आपसी सहमति से संयुक्त घोषणा पत्र बन पाया और फिर जारी भी हो गया। भारत की यह बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। इसमें भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया गया है। घोषणा पत्र में उल्लेख किया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् को अधिक लोकतांत्रिक, प्रभावी और विकासशील देशों की बुलंद आवाज बनाना जरूरी है। इसलिए इसमें अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। यह तब संभव हुआ, जब चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग स्वयं मौजूद थे। घोषणा पत्र में जम्मू—कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की खुली निंदा की गई। साथ ही आतंकवाद के सुरक्षित ठिकानों और सीमा पर आतंकी आवाजाही के खिलाफ कार्रवाई का संकल्प लिया गया। यही नहीं ब्रिक्स नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए आतंकियों की सीमापार आवाजाही प्रतिबंधित करने, आतंकवाद का वित्त पोषण करके उसे प्रोत्साहित करने वाले नेटवर्क को तोड़ने और आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाहों से निपटने की जरूरत पर भी गंभीर सुझाव दिए। आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता और शब्दिता से नहीं जोड़ने पर भी सहमति बनी है। इस कड़ी में आतंकी गतिविधियों में भागीदार लोगों को कानून के तहत जवाबदेह ठहराने की भी बात कही गई है। गौरतलब है कि चीन खासतौर से आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई देता है। पहलगाम के मुद्दे पर भी चीन पाकिस्तान की तरफ झुका दिखाई दिया था। किंतु अब इस घोषणा पत्र के जरिए आतंकवाद को जड़मूल से प्रभावित करने वाले प्रावधान भारत के लिए आतंक के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है।

इस सम्मेलन में एकतरफा टैरिफ और गैर—टैरिफ प्रतिबंधों पर भी चिंता जताते हुए विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) को भी कठघरे में खड़ा किया गया। क्योंकि मनचाहा टैरिफ लगाना विकासशील देशों की आर्थिक अनिश्चितता को बढ़ाने का काम करते हैं। इससे व्यापारिक असंतुलन बढ़ता है और भू—राजनीतिक अस्थिरता के बीच खासतौर से विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था संतुलित बनाए रखने के लिए नई चुनौतियों से जूझना पड़ता है। यह स्थिति वैश्विक दक्षिण के देशों को बहुत अधिक प्रभावित करती है। जबकि ये देश अब केवल नियमों का अनुकरण करने वाले नहीं रह हैं, बल्कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में साझेदारी करने के लिए खड़े हो रहे हैं। अतएव इनके विशेषाधिकारों की चिंता करने की जरूरत समूची दुनिया की है। ब्रिक्स करेंसी लाने का प्रस्ताव ब्रिक्स के पिछले सम्मेलनों में आता रहा है, लेकिन इस बार इस प्रस्ताव पर कोई बात नहीं बनी। फिलहाल व्यापारिक लेन—देन और लागत घटाने के लिए स्थानीय मुद्राओं में भुगतान को बढ़ावा देने और भुगतान प्रणाली अधिक मजबूत बनाने पर जरूर फोकस डाला गया है।

प्रतीक भूषण ने 35 किमी पैदल चलकर जल चढ़ाया बोले– चाहता हूं पिता जी पार्लियामेंट पहुंचें

संवाददाता—गोण्डा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह 35 किलोमीटर पैदल चलकर दुःखहरण मंदिर पहुंचे। रात 12 बजे दुखहरण नाथ मंदिर में उन्होंने जलाभिषेक किया। प्रतीक ने कहा– मैं पिता के स्वास्थ्य के लिए ही कामना कर रहा हूं। पिछली बार एक केस के लिए भी की थी वो हम जीत गए। इस बार मैं चाहता हूं कि पिताजी फिर पार्लियामेंट पहुंचे, इसलिए कांवड़ यात्रा कर रहा हूं। हमारे समाज में सदभाव बढ़ना चाहिए। लोग एक–दूसरे को नीचा दिखाना बंद करें, आज इसकी बहुत जरूरत है। कजरी तीज के मौके पर जिले के पृथ्वीनाथ और दुखहरण मंदिर में रात 12 बजे से सुबह 9.30 बजे तक 20 लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इनमें बड़ी संख्या में नेपाल से आए श्रद्धालु भी शामिल हैं। दोनों मंदिरों में 5 हजार से ज्यादा पुलिस के जवान सुरक्षा में लगे रहे।

प्रदेश के सबसे बड़े मेलों में शामिल कजरी तीज मेले में सोमवार देर रात से आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रात 12 बजे से सोमवार दोपहर तक श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। एशिया के सबसे ऊंचे शिवलिंग वाले बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर और ऐतिहासिक दुःखहरण नाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जिले के अन्य प्रमुख शिवालयोंकृबाबा कारोहानाथ, बालेश्वर नाथ और बरखंडी नाथ में भी लाखों लोगों ने जलाभिषेक किया। सदर से विधायक प्रतीक भूषण सिंह अपने निवास विश्नोहरपुर से 35 किलोमीटर पैदल चलकर करनैलगंज के सरयू घाट पहुंचे। यहां पर सरयू स्नान करने के बाद दुःखहरण नाथ मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। प्रतीक ने बताया कि 16 साल से यहां जलाभिषेक कर रहा हूं। पिछली बार की अपेक्षा जिला प्रशासन ने इस बार ज्यादा मेहनत की है। मैं सभी सरकारी कर्मचारी बंधुओं का धन्यवाद करूंगा। व्यवस्थाओं में लगे लोगों की वजह से आज 15 लाख से अधिक लोग यहां पर जल चढ़ा रहे हैं।

मैं तो स्वास्थ्य के प्रति सजग होने के लिए काफी दिन तैयारी कर रहा हूं। लगभग 30 दिन से मैं चलने की प्रैक्टिस कर रहा हूं तब मैं यहां पैदल चलकर आया हूं। इस बार मैं पिता के स्वास्थ्य के लिए कामना कर रहा हूं। पिछली बार एक केस के लिए भी की थी, वो हम जीत गए। और इस बार मैं चाहता हूं कि पिताजी फिर पार्लियामेंट पहुंचे, इसलिए कांवड़ यात्रा कर रहा हूं।

मैं चाहता हूं कि हमारे पूरे समाज में सदभाव बढ़े। लोग एक–दूसरे को नीचा दिखाना बंद करें, आज इसकी बहुत जरूरत है हमें। बीते दिनों में जो घटनाक्रम हुए हैं, मेरा दिल उससे बहुत दुखी है और यह कहीं नहीं होना चाहिए। मैं तो यह चाह रहा हूं कि इस बार समरसता आये, सबमें एकता हो और एक–दूसरे को ऊंचा और नीचा कहने वाले लोगों में थोड़ी लगाम लगे। उनके परिवार वाले और समाज वाले लगाम दें, इसकी कीमत हमारा समाज अब और नहीं चुका पाएगा। मैं चाहता हूं कि मेरे पिता और मेरे भाई संसद पहुंचे। हम इसलिए इस बार यह कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु करीब 35 किलोमीटर पैदल चलकर दुःखहरण नाथ मंदिर और 45 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर पहुंचे।

रोजगार सेवकों ने मानदेय 24 हजार करने की मांग की

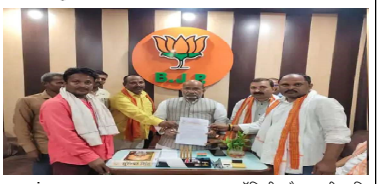

संवाददाता—बहराइच। ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर महसी विधायक सुरेश्वर सिंह को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित था। रोजगार सेवकों ने अपनी लंबित मांगों का जल्द निपटारा करने की मांग की। जिलाध्यक्ष विद्याधर बाजपेई के नेतृत्व में सोमवार को यह ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष विद्याधर बाजपेई ने बताया कि प्रदेश के करीब 33 हजार ग्राम रोजगार सेवक पिछले 19 साल से ग्राम पंचायतों में मनरेगा और वीबी–जी–राम–जी योजना के तहत काम कर रहे हैं। वे सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उनके मानदेय बढ़ाने, एचआर पॉलिसी और दूसरी सुविधाओं पर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। इसी क्रम में यह ज्ञापन विधायक सुरेश्वर सिंह को सौंपा गया। विधायक ने रोजगार सेवकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के सामने रखने और उनकी मांगों को हल करने का भरोसा दिया। जिला महामंत्री दीपक सिंह सेंगर ने बताया कि ज्ञापन में चार मुख्य मांगें रखी गई हैं।

इनमें 4 अक्टूबर 2021 को मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पूरा करना, कैशलेस इलाज की सुविधा देना, अलग बजट से मानदेय 24 हजार रुपये हर महीने करना और मृतक रोजगार सेवकों के परिवार वालों को नौकरी देना शामिल है।

वनटांगिया गांवों में अधूरे विकास कार्य पूरे करने की मांग

संवाददाता—महराजगंज। जिले की 18 वनटांगिया ग्राम सभाओं में अधूरे विकास कार्य पूरे कराने की मांग की गई है। वनटांगिया विकास समिति के जिलाध्यक्ष जयराम प्रसाद ने इस संबंध में जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल को एक पत्र सौंपा। उन्होंने गांवों में सड़क, संपर्क मार्ग, नाली और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को जल्द हल करने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा मिलने के बाद सरकार ने ग्रामीणों को मकान, शौचालय और विश्रामालय जैसी कई सुविधाएं दी हैं। इसके बावजूद, कई गांवों में विकास कार्य अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। संपर्क मार्ग और सड़कों का निर्माण अधूरा होने से ग्रामीणों को आने–जाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि कई जगहों पर सड़क तो बन गई है, लेकिन पानी निकलने के लिए जाली या नाली की सही व्यवस्था नहीं है। इससे पानी भर जाता है और सड़कों के खराब होने का खतरा बना रहता है। पत्र में कुछ खास गांवों की समस्याओं का जिक्र किया गया है। इनमें ग्राम बेलासपुर में सड़क और जाली की व्यवस्था, दौलतपुर वनटांगिया में संपर्क मार्ग और बिजली, बरहवा में सड़क, नाली और अन्नपूर्णा भवन शामिल हैं। सरयूपार वनटांगिया में सड़क और नाली की समस्या है, जबकि हरिवहवा, बलुवहिया और कम्पार्ट–24 में सड़क और संपर्क मार्ग की दिक्कतें हैं। समिति का कहना है कि इसी तरह की सड़क और नाली से जुड़ी समस्याएं दूसरे वनटांगिया गांवों में भी हैं। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने वनटांगिया ग्रामवासियों को भरोसा दिलाया कि इन समस्याओं पर तुरंत ध्यान दिया जाएगा और जरूरी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान वनटांगिया ग्राम सभाओं के कई ग्रामीण भी मौजूद थे।

पांच साल पहले जिस महिला का किया अंतिम संस्कार, वह जिंदा घर लौटी

संवाददाता—महराजगंज। एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां अंतिम संस्कार के पांच साल बाद एक महिला जिंदा वापस घर आ गई। इससे परिवार में खुशियों की लहर दौड़ गई। वहीं गांव में ये चर्चा का विषय बन गया। उधर, अब ये सवाल उठ रहा है कि घरवालों ने 5 साल पहले जिसका शव जलाया था वह कौन था? ये मामला सोनौली कोतवाली क्षेत्र का है। कैथवलिया उर्फ बरगदही के मल्लाह टोला निवासी इसरावती पांच साल बाद जिंदा घर लौट आईं। परिजनों ने करीब पांच साल पहले मिले एक अज्ञात महिला के शव की कपड़ों व कद–काठी के आधार पर इसरावती के रूप में पहचान कर त्रिमुहानी घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया था। उसके अचानक जिंदा सामने आने से परिवार में जहां खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं गांव में कौतूहल का माहौल है। इसरावती की पहली शादी नेपाल के कोटिया क्षेत्र में हुई थी, लेकिन मानसिक अस्वस्थता के कारण वैवाहिक संबंध आगे नहीं चल सका। इसके बाद नौतनवां थाना क्षेत्र के लालपुर खोरिया में दूसरी शादी हुई, लेकिन वहां भी स्थितियां अनुकूल नहीं रहीं। करीब पांच साल पहले कोविड काल के दौरान वह अचानक घर से लापता हो गईं। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। बताया जा रहा है कि भटकते–भटकते इसरावती कोलकाता पहुंच गई थीं। वहां एक सामाजिक संस्था ने उन्हें दिव्यांग आश्रम में आश्रय दिलाया और उनका इलाज कराया। उपचार के बाद स्थिति में सुधारहोने पर जब इसरावती ने अपने गांव और क्षेत्र की जानकारी दी तो संस्था के पदाधिकारियों ने महराजगंज में संपर्क साधा। पुष्टि होने के बाद संस्था के सहयोग से उन्हें सकुशल घर लाया गया। पांच साल बाद अपनी बेटी को सामने जीवित देखकर परिजनों की आंखें छलक आईं। सोनौली क्षेत्र की इसरावती के पांच साल बाद जिंदा घर लौटने से 2021 में मिले अज्ञात महिला के शव की पहचान पर सवाल खड़ा हो गया है। परिजनों ने उस समय कपड़ों और कद–काठी के आधार पर शव की पहचान इसरावती के रूप में की थी। इसके बाद रोहिन नदी के त्रिमुहानी घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। अब सवाल है कि वह शव आखिर किस महिला का था? कोल्हुई थाना क्षेत्र के लबदहा गांव के पास मिले अज्ञात महिला के शव को पहचान के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया था। पुलिस के मुताबिक परिजनों ने शव को देखने के बाद चेहरे, पहनावे और चप्पलों के आधार पर उसकी पहचान इसरावती के रूप में की थी। इसके बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया था। पुलिस के अनुसार उस समय इसरावती की गुमशुदगी के संबंध में थाने या किसी अन्य थाने में लिखित सूचना नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि 2021 में मिले शव की पहचान के लिए प्रचार–प्रसार भी कराया गया था। परिजनों की ओर से पहचान किए जाने के बाद शव उन्हें सौंपा गया था।

कजरी तीज पर शिवालयों में उमड़ी आस्था

संवाददाता—श्रावस्ती। कजरी तीज पर सोमवार को शिवालय 'हर–हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठे। तड़के करीब 2 बजे से ही प्रमुख मंदिरों में जलाभिषेक शुरू हो गया। सिरसिया के पांडवकालीन बाबा विभूतिनाथ मंदिर में नेपाल समेत आसपास के कई जिलों से श्रद्धालु पहुंचे। रविवार शाम से ही मंदिर की ओर भक्तों का आना शुरू हो गया था। देर शाम तक जलाभिषेक जारी रहने और लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालु सीताद्वार के सीता सरोवर, जंगलदास कुट्टी समेत अलग–अलग स्थानों से पवित्र जल लेकर कई किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर पहुंचे। कतार में लगकर भक्तों ने बाबा विभूतिनाथ का जलाभिषेक किया और सुख–शांति व समृद्धि की कामना की। रविवार शाम से ही बाबा विभूतिनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सोमवार तड़के जलाभिषेक शुरू होते ही कतारें लंबी हो गईं। भक्त पवित्र जल लेकर मंदिर पहुंचे और विधि–विधान से भगवान शिव की पूजा की।गिलौला क्षेत्र के बाबा झारखंडीनाथ मंदिर में भी करीब 2 बजे से जलाभिषेक शुरू हो गया। यहां दूर–दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इकौना, जमुनहा और भिनगा क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में भी सुबह से भक्तों की भीड़ रही। बाबा विभूतिनाथ मंदिर की मान्यता के चलते नेपाल के साथ आसपास के कई जिलों से भी श्रद्धालु पहुंचे। कई भक्त पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में हर तरफ शिवभक्तों की भीड़ और 'हर–हर महादेव' के जयकारे सुनाई देते रहे।कजरी तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालु जलाभिषेक कर परिवार की सुख–शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने बाबा विभूतिनाथ मंदिर और मेला क्षेत्र को 3 जोन, 7 सेक्टर और 20 बैरियर में बांटा है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। दो क्यूआरटी, पीएसी और मोबाइल पुलिस पार्टियां तैनात की गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। मंदिर परिसर और आसपास के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन कराने में जुटे रहे। प्रशासन की कोशिश है कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को जलाभिषेक और दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

हिंदी दिवस पर कविताओं–भाषण से गूंजा कॉलेज, टेकुआटार में छात्राओं ने प्रस्तुतियों से मोहा मन

संवाददाता—कुशीनगर। टेकुआटार के दुलहिन जगन्नाथ कुँवरि इंटरमीडिएट कॉलेज में हिंदी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता, भाषण और अन्य प्रस्तुतियों के जरिए हिंदी भाषा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

मंच पर छात्र–छात्राओं का आत्मविश्वास देखने लायक रहा। कविता पाठ और प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रविंद्र शर्मा ने की। हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने कविता और भाषण समेत कई मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कविता पाठ के दौरान छात्राएं कविता, लक्ष्मी, शिक्षा और आर्या ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को कॉलेज परिवार ने खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान सभागार में तालियों की गूंज सुनाई देती रही। कॉलेज में हिंदी दिवस के मौके पर निबंध और भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के जरिए विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रति अपनी समझ और विचारों को सामने रखने का अवसर मिला। छात्रों ने हिंदी के महत्व और इसके गौरव से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे।

प्रधानाचार्य रविंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भारत की पहचान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रमुख भाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदी को विश्व स्तर पर मजबूत बनाने के लिए इसके विकास और प्रचार–प्रसार पर सभी को ध्यान देना चाहिए। भाषा किसी भी देश की राष्ट्रीयता और पहचान का महत्वपूर्ण आधार होती है। प्रधानाचार्य ने कहा कि अपनी भाषा के माध्यम से ही हम दुनिया के सामने देश की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करते हैं। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और भावनाओं को जोड़ने वाली भाषा भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी के साहित्य और इसकी समृद्ध परंपरा को समझने की अपील की। रविंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों से रोजमर्रा के जीवन में हिंदी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने को कहा। उन्होंने कहा कि भाषा को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी केवल शिक्षकों की नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की भी है। विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य पढ़ने और भाषा की समृद्ध परंपरा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी आर्या गुप्ता ने किया। उन्होंने कार्यक्रम को क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया। अंत में कॉलेज परिवार ने सभी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और सक्रिय भागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी आचार्य, आचार्या और कर्मचारी मौजूद रहे।

क्लीनिकल ड्यूटी और आईएनसी मान्यता के लिए छात्र–छात्राओं ने किया रामजानकी मार्ग जाम

संवाददाता—देवरिया। रामजानकी मार्ग को सोमवार सुबह ऊँ श्री साईं कृपा ग्रुप ऑफ हायर एजुकेशन कुण्डौली लार रोड के छात्र–छात्राओं ने जाम कर दिया। बीएससी नर्सिंग के थर्ड, फिफ्थ और सेवेंथ सेमेस्टर के छात्रों का आरोप था कि संस्थान के पास आईएनसी से मान्यता नहीं है। इसे जल्द कराया जाए और 45 दिन की क्लीनिकल ड्यूटी के लिए भेजा जाए।

प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं का कहना था कि इस संबंध में जब वे विद्यालय के एमडी ओपी सिंह से बात करने गए तो उन्होंने कहा कि तुम्हें जो करना है करो इतनी जल्दी नहीं होगा। इस बात से नाराज छात्र कालेज से निकलकर सड़क पर आ गए और रामजानकी मार्ग को जाम कर दिया। आक्रोशित छात्रों ने जल्द ही क्लीनिकल ड्यूटी कराने और आईएनसी से मान्यता की प्रक्रिया पूरी किए जाने के आश्वासन पर जाम समाप्त किया।

इस संबंध में विद्यालय के एमडी ओपी सिंह ने कहा कि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया से क्लीनिकल ड्यूटी का परमिशन लेटर प्राप्त हो चुका है, एक सप्ताह के अंदर मेडिकल कॉलेज से रोस्टर आने पर बच्चों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाएगा। किसी के बहकावे में आकर बच्चों ने अनुशासन तोड़ा था जो गलत है। कालेज हर समय बच्चों के बेहतर शिक्षा व सहयोग में रहता है।

थानाध्यक्ष विकास नाथ ने बताया कि छात्र छात्रों ने अपनी मांग को लेकर लगभग आधे घंटे तक रामजानकी मार्ग जाम किया था। मौके पर पहुंचकर बच्चों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया गया। यातायात सुचारू रूप से शुरू हो गया है। किसी को कोई कठिनाई नहीं हुई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो दोस्तों की मौत

संवाददाता—महराजगंज। सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। सदर कोतवाली क्षेत्र के पिपरदेवरा निवासी सूरज (21) और नीतीश यादव (16) बाइक से परतावल कस्बे की ओर जा रहे थे। छपिया गांव के पास किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। देर रात सड़क पर सन्नाटा होने के कारण काफी देर तक दोनों की ओर किसी की नजर नहीं गई। इस दौरान सड़क से गुजरने वाले वाहनों से शव कुचलते रहे। हालात इतने खराब हो गए कि दोनों के चेहरे बुरी तरह क्षत–विक्षत हो गए और पहचान करना भी मुश्किल हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोबाइल के जरिए परिजनों तक हादसे की सूचना पहुंचाई।

रात में पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी छपिया गांव के पास पहुंची तो सड़क पर बिखरे शव और दुर्घटनाग्रस्त बाइक दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। दोनों युवकों के पास मिले टूटे मोबाइल से उनके परिजनों का पता लगाया गया और उन्हें हादसे की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही पिपरदेवरा मोहल्ले में चीख–पुकार मच गई। बदहवास परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो दोनों की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, दोनों दोस्त रविवार रात किसी जरूरी काम के लिए घर से परतावल कस्बे की ओर निकले थे। इसी दौरान छपिया गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों उछलकर सड़क पर जा गिरे।

हादसे के बाद वाहन चालक मौके से भाग निकला। देर रात होने के कारण दुर्घटना के काफी देर बाद पुलिस को इसकी जानकारी मिल सकी। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा सके। 21 वर्षीय सूरज अपने परिवार में दूसरे नंबर का बेटा था। उसके पिता बाबूराम मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाते हैं। सूरज दिल्ली में पेंटिंग का काम करता था और अपनी कमाई से घर की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। परिवार की दो बहनों की जिम्मेदारी भी उसके कंधों पर थी। अचानक उसकी मौत से परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी संकट खड़ा हो गया है। जिस बेटे से परिवार को भविष्य की उम्मीद थी, उसकी मौत की खबर ने पूरे घर को तोड़कर रख दिया।

16 वर्षीय नीतीश यादव अपने परिवार का सबसे छोटा बेटा था। बचपन में ही उसकी मां की मौत हो गई थी। इसके बाद पिता पप्पू यादव ने ईंट–भट्ठे पर ट्रैक्टर चलाकर बेटे का पालन–पोषण किया। रविवार रात नीतीश घर से निकला तो पिता ने देर रात बाहर जाने से मना किया था।

पप्पू यादव ने बिलखते हुए बताया, "मैंने बहुत मना किया था कि इतनी देर रात बाहर मत जाओ। उसने कहा कि बस एक–दो घंटे में काम निपटाकर आ रहा हूं।" इतना कहते ही पिता फफक पड़े। दोनों युवकों की मौत से पिपरदेवरा और आसपास के इलाके में शोक की लहर है। श्यामदेउरवा थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से टक्कर मारकर फरार हुए वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस जल्द ही वाहन और उसके चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर पथराव का आरोप, आप ने राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—देवरिया। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। सोमवार को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए, पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एडीएम प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में 13 सितंबर को बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र में चंद्रशेखर आजाद के काफिले के साथ हुए कथित घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। चंद्रशेखर आजाद गोंडा में मृतक विनोद कुमार साहनी और रमेश कोरी के परिजनों से मिलने जा रहे थे। आरोप है कि बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया और उन्हें बुड़वल गेस्ट हाउस ले जाया गया। पार्टी ने पुलिस और सांसद के बीच बहस और धक्का–मुक्की जैसी स्थिति होने का भी आरोप लगाया है। पार्टी का आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने काफिले पर पथराव किया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। पार्टी ने इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि किए जाने की मांग की है।

ज्ञापन में घटना की उच्चस्तरीय जांच के साथ सीसीटीवी, वीडियो और बॉडी–कैम फुटेज समेत इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित कर जांच में शामिल करने की मांग की गई है। साथ ही, मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच कर लापरवाही या दुर्व्यवहार साबित होने पर कार्रवाई की मांग की गई है।

आप ने चंद्रशेखर आजाद का तुरंत खतरे का आकलन (थ्रेट असेसमेंट) कराने और खतरे की समीक्षा के आधार पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। पार्टी ने उनके उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के दौरों के दौरान पर्याप्त एस्कॉर्ट, रूट सिक्योरिटी और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी रखी है। ज्ञापन में सोशल मीडिया पर कथित धमकी भरे बयानों की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। पार्टी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद एक निर्वाचित सांसद हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है।

गांव में सड़क–नाली नहीं, नेताओं की एंट्रीपर बैन

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर विकास क्षेत्र की विराजमार ग्राम पंचायत के ठोका बंसी गांव के हरिजन टोला (छावनी टोला) में ग्रामीण सड़क और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं। नाराज ग्रामीणों ने सोमवार सुबह करीब 8 बजे गांव में नेताओं और राजनीतिक दलों के प्रवेश पर रोक लगाने का बैनर लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान अलग–अलग दलों के नेता वोट मांगने के लिए बस्ती में पहुंचे थे। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद किसी ने उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना है कि आज भी बस्ती तक पहुंचने के लिए कच्चे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। छावनी टोला में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। कई परिवार घरों के बाहर बाल्टी में घरेलू गंदा पानी जमा करते हैं। बाल्टी भरने के बाद उसे उठाकर घर से कुछ दूरी पर फेंकना पड़ता है।

कुछ ग्रामीण सिंचाई के पाइप के जरिए पानी निकालने की कोशिश करते हैं, जबकि कई परिवारों ने घर के पास गड्ढा बनाकर उसमें पानी जमा करने का इंतजाम किया है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय तक पानी जमा रहने से बदबू आती है और जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है।

अधिवक्ता से अभद्रता पर कोतवाल के निलंबन की मांग

संवाददाता—महराजगंज। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन ने सोमवार को कोतवाली के थाना प्रभारी निर्भय कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन पर एक अधिवक्ता से अभद्रता और दुर्व्यवहार का आरोप है। बार एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर थाना प्रभारी को तुरंत निलंबित करने की मांग की है। यह मामला 13 सितंबर का बताया गया है। बार एसोसिएशन के पत्र के मुताबिक, 13 सितंबर 2026 को सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता सचिन कुमार सिंह के साथ थाना परिसर में थाना प्रभारी निर्भय कुमार सिंह ने कथित तौर पर अभद्रता की। आरोप है कि उन्होंने अधिवक्ता समुदाय को भी अपमानित किया। इसके अलावा, उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर अधिवक्ताओं को परेशान करने की धमकी देने का भी आरोप है। इस मामले को लेकर अधिवक्ता सचिन कुमार सिंह ने 13 सितंबर को सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि कोतवाल ने अधिवक्ताओं के प्रति गलत भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता कोर्ट में वकालत करते हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। शिकायत में संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

मामले पर चर्चा के लिए बार एसोसिएशन ने 14 सितंबर को एक आपात बैठक बुलाई। बैठक में घटना पर बात करने के बाद सर्वसम्मति से थाना प्रभारी निर्भय कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला लिया गया। बार एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र ज्ञापन देकर थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। बार एसोसिएशन के महामंत्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले में जरूरी कार्रवाई करने की गुजारिश की है। हालांकि, अधिवक्ता की ओर से लगाए गए आरोपों पर पुलिस का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी।

कायस्थ महासभा का शपथ ग्रहण, सम्मानित हुई विभूतियां

संवाददाता–संतकबीरनगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से सोमवार को 'कायस्थ समाज का गौरव एवं श्रेष्ठतम सम्मान समारोह' और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिलेभर से सैकड़ों कायस्थ समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने सामाजिक एकता, संगठन को मजबूत करने और समाजहित में काम करने का संकल्प लिया।

मुख्य संरक्षक डॉ. एन.एन. श्रीवास्तव 'बेचैन' ने कहा कि महासभा सिर्फ एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है। परिवार की मजबूती आपसी प्रेम, सहयोग और एकजुटता से होती है। उन्होंने समाज के लोगों से आपसी समन्वय बनाए रखने और संगठन को मजबूत करने की अपील की।

प्रदेश उपाध्यक्ष रतन श्रीवास्तव ने नए पदाधिकारियों को पद और जिम्मेदारी की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संगठन में पद मिलना केवल सम्मान की बात नहीं है, बल्कि समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी है। सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। संरक्षक डॉ. आलोक सिंहा ने समाज की प्रगति के लिए एकता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया।

पूर्व जिलाध्यक्ष विश्वंभर नाथ श्रीवास्तव और प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव ने संगठन के पुराने संघर्षों और सामाजिक एकजुटता के सफर को याद किया। उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाने के लिए समाज के लोगों से मिलकर काम करने की अपील की। जिलाध्यक्ष शक्ति श्रीवास्तव 'बाबुल' ने सभी अतिथियों और समाज के लोगों का आभार जताया। उन्होंने समाजहित में पूरी निष्ठा के साथ काम करने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में धीरज श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव और दीपक श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष सरिता श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, पल्लवी श्रीवास्तव, महासचिव अर्चना श्रीवास्तव, सविता श्रीवास्तव, कमला श्रीवास्तव, मधुरिमा श्रीवास्तव, सुनीला श्रीवास्तव, यशिका श्रीवास्तव और तनिष्का श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों कायस्थ समाज के लोगों ने भी भाग लिया।

जनगणना में ओबीसी कॉलम की मांग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के पास डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा परिसर में धरना दिया। वे जनगणना–2027 के फॉर्म में ओबीसी वर्ग के लिए अलग कॉलम जोड़ने और पहले से सूचीबद्ध जातियों की ड्रॉपडाउन सूची देने की मांग कर रहे थे।

प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर अपनी मांगों पर कार्रवाई की अपील की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहाकि ओबीसी वर्ग की सही आबादी और उसकी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व राजनीतिक स्थिति का पता लगाने के लिए जातिगत आंकड़े सही तरीके से दर्ज होना जरूरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनगणना–2027 की 14 अगस्त 2026 को जारी जानकारी में ओबीसी का अलग कॉलम नहीं जोड़ा गया है। यादव ने यह भी बताया कि जातियों की पहले से तय ड्रॉपडाउन सूची देने के बजाय, जाति दर्ज करने के लिए ओपन–एंडेड व्यवस्था अपनाई गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस ओपन–एंडेड व्यवस्था में एक ही जाति के अलग–अलग नाम और स्पेलिंग दर्ज होने से जातियों के आंकड़े बिखर सकते हैं।

इसका सीधा असर पिछड़े और वंचित वर्गों की वास्तविक आबादी का पता लगाने पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सही आंकड़े नहीं मिलने पर आबादी के अनुपात में आरक्षण, सरकारी नौकरियों और संसाधनों में हिस्सेदारी से जुड़ी नीतियां भी प्रभावित हो सकती हैं।

ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि लोकसभा चुनाव–2024 के दौरान ओबीसी वर्ग की जातिगत जनगणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। पार्टी ने सरकार से जनगणना–2027 में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़ने और केंद्र व राज्यों की सूची में शामिल जातियों की ड्रॉपडाउन सूची जनगणना करने वालों के जरिए नागरिकों को देने की मांग की।

करंट से महिला की मौत के मामले में जेई और लाइनमैन पर केस

संवाददाता–संतकबीरनगर। घसंतकबीरनगर जिले के बेलहर कला थाना क्षेत्र के बसहिया गांव में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही के कारण हाईवोल्टेज आपूर्ति होने से एक महिला की झुलसकर दर्दनाक मौत में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पीड़ित पति की तहरीर पर संबंधित विद्युत जेई और लाइनमैन के खिलाफ पुलिस ने सुसंगत ध ाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बसहिया निवासी दयाराम यादव पुत्र गिरधारी यादव की पत्नी करोड़ा देवी शनिवार को घर पर मौजूद थीं। आरोप है कि गांव में नया ट्रांसफार्मर बदलने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल की गई, लेकिन चालू करने से पूर्व संबंधित लाइनमैन व विद्युत जेई द्वारा सुरक्षा मानकों की आवश्यक जांच नहीं की गई।घ्जैसे

ही आपूर्ति शुरू हुई, अचानक अत्यधिक तेज वोल्टेज आने से करोड़ा देवी पंखा लगाते समय गंभीर विद्युत हादसे का शिकार हो गईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। पीड़ित दयाराम का कहना है कि विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की घोर लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते यह हादसा हुआ। मामले में बेलहर कला पुलिस ने तहरीर के आधार पर जेई और लाइनमैन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

प्रसूता की मौत पर निजी अस्पताल के बाहर हंगामा

संवाददाता–अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में ऑपरेशन से बच्चे को जन्म देने के बाद 26 वर्षीय प्रसूता अंजलि की हालत बिगड़ गई। करीब एक सप्ताह तक अलग–अलग अस्पतालों में इलाज के बाद सोमवार सुबह अकबरपुर के निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। मौत से आक्रोशित परिजन शव लेकर जलालपुर–नगपुर मार्ग स्थित उसी निजी अस्पताल के बाहर पहुंच गए, जहां अंजलि का सीजेरियन हुआ था। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर मामला शांत कराया। आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र के निजामपुर निवासी पति राकेश विश्वकर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मुंबई में निजी कंपनी में काम करते हैं। अंजलि प्रसव के लिए मायके नागपुर में रह रही थी। 30 अगस्त को प्रसव पीड़ा होने पर उसे जलालपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सीजेरियन से बच्चे का जन्म हुआ। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ती चली गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर इलाज से ठीक होने का भरोसा देते रहे।

हिन्दी को ज्ञान–नवाचार की भाषा बनाने की जरूरत

संवाददाता–संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में सोमवार को हिंदी दिवस पर एक संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप जलाकर की गई।

मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी थे। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति के समय भाषाओं के सामने नई चुनौतियां हैं, पर इन्हीं में नए मौके भी छिपे हैं।

प्रो. त्यागी ने बताया कि इंटरनेट, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल शिक्षा ने हिंदी को दुनिया भर में पहुंचाने के बड़े अवसर दिए हैं। उन्होंने जोर दिया कि हिंदी को सिर्फ भावनाओं की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान और नए विचारों की भाषा भी बनाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि एक समृद्ध भाषा वही होती है जो समय के साथ बदलती है, नए शब्दों को अपनाती है और आधुनिक ज्ञान–विज्ञान को भी शामिल करती है। शिक्षा संकाय के डीन प्रो. विजय राय ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हिंदी का विकास सिर्फ सरकारी दफ्तरों और खास आयोजनों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। महाविद्यालय के मुख्यनियंता प्रो. राजेश चंद्र मिश्र ने छात्रों से हिंदी बोलने, पढ़ने और लिखने में गर्व महसूस करने की अपील की। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार भारती ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भारतीय समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को जोड़ने वाली खास भाषाओं में से एक है। प्राचार्य प्रो. ब्रजेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक और शिक्षण संस्था के तौर पर हमारा काम सिर्फ हिंदी दिवस मनाना नहीं है, बल्कि छात्रों में भाषा का आत्मविश्वास, वैज्ञानिक सोच और मौलिक लेखन की क्षमता भी बढ़ाना है। इस मौके पर हिंदी विभाग की तेज प्रताप सिंह स्मृति छात्रवृत्ति भी दी गई। स्नातक स्तर पर सबसे ज्यादा नंबर पाने वाली छात्रा आकांक्षा त्रिपाठी और स्नातकोत्तर स्तर पर सबसे ज्यादा नंबर पाने वाली छात्रा प्रीति प्रजापति को मेडल और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शौर्यजीत सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद डॉ. श्रवण कुमार गुप्त ने दिया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के अलग–अलग विभागों के शिक्षक और छात्र–छात्राएं मौजूद थे

सरकारी जमीन पर बने अवैध कब्जे हटाए गए

संवाददाता–गोरखपुर। सदर तहसील के भटहट ग्राम पंचायत में सरकारी खाद गड्ढे की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को सोमवार को हटा दिया गया। राजस्व टीम और पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे।

नायब तहसीलदार डॉ. भागीरथी सिंह पुलिस बल के साथ करीब 4 घंटे तक मौके पर रहे। उन्होंने बताया कि गांव में गाटा संख्या 1481 की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में खाद गड्ढे के लिए दर्ज है। कुछ लोगों ने इस पर अवैध रूप से टीनशेड और पाइप लगाकर कब्जा कर लिया था।

भटहट निवासी धर्मेंद्र गुप्ता पुत्र गुलाब की शिकायत पर राजस्व टीम ने मौके पर जांच की। जांच में पता चला कि असलम पुत्र सोहराब और मुबारक पुत्र हुसैन ने खाद गड्ढे की खाली जमीन पर करीब 4–5 फीट ऊंची बाउंड्री बनाकर उस पर टीन–शेड का फार्म बना दिया था। इसकी जानकारी मिलने पर कानूनगो भटहट ने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया था और निर्माण रोकने का आदेश दिया था।इसके बावजूद, 4 अगस्त की रात करीब 12 बजे असलम और मुबारक ने फिर से आकर तीन टीनशेड और पाइप लगाकर पूरी जमीन पर कब्जा कर लिया।

ओपी राजभर बोले– अखिलेश को विकास की नहीं, सत्ता की चिंता है

संवाददाता–अंबेडकरनगर। एनडीए घटक दलों की समन्वय बैठक के बाद सोमवार को मीडिया से बातचीत में प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून–व्यवस्था और विकास की कोई चिंता नहीं है। उनकी चिंता केवल सत्ता हासिल करने और देश की संपत्ति पर कब्जा करने की है। गोंडा में विनोद साहनी हत्याकांड पर विपक्ष के घटनास्थल पर पहुंचने के सवाल पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार और पुलिस मामले में पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। घटना के दिन ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और अन्य की तलाश जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता दुर्घटनाओं के बहाने मौके पर जाकर माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। इसी वजह से उन्हें घटनास्थल पर जाने से रोका जाता है। राजभर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी घटना पर राजनीति करना नहीं, बल्कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना और कानून–व्यवस्था बनाए रखना है।

होम्योपैथिक चिकित्सालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित उसका रोड बेलहिया मार्ग पर भव्या आयुष होम्योपैथिक चिकित्सालय का शुभारंभ समारोहपूर्वक किया गया। चिकित्सालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि वीरेंद्र नाथ पांडेय एवं डॉ. आशीष अग्रहरी, रेडियोलॉजिस्ट ने किया।

उद्घाटन समारोह में डॉ. अवधेश चौधरी, अभिषेक मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान चिकित्सालय के संचालक डॉ. बृजेश पाण्डेय ने उपस्थित लोगों को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की विशेषताओं और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा उचित चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने चिकित्सालय के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

पांच साल के मासूम को स्कूल बस ने कुचला, 4 घंटे प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच के नैयापार बुजुर्ग गांव में शनिवार को स्कूल बस से कुचलकर पांच वर्षीय हिमांशु की मौत के मामले में पुलिस ने बस में मौजूद शिक्षिका रानी मिश्रा का रविवार को शांतिभंग में चालान कर दिया। बाद में उसे जमानत मिल गई।

वहीं, हादसे के बाद मौके से भागे बस चालक मनोज कुमार की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। सोमवार को स्कूल प्रबंधन से पूछताछ की तैयारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हादसे के समय बस में कितने बच्चे और कर्मचारी मौजूद थे और सुरक्षा मानकों का कितना पालन किया जा रहा था।

एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि बस चालक की तलाश की जा रही है। बस में मौजूद शिक्षिका को पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिसका शांतिभंग में चालान किया गया है। स्कूल प्रबंधन की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पूछताछ के दौरान बस संचालन और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की जानकारी जुटाई जाएगी।

कम हो रहा है सरयू नदी का जलस्तर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में सरयू नदी के जलस्तर में प्रतिदिन कमी होने के बावजूद बाढ़ पीड़ितों कि परेशानी कम नहीं हो रही है। चकदहा, गुनवतिया व भौवपार के गांवों में बाढ़ का पानी जमा हुआ है। कीचड़ युक्त रास्ते से होकर लोगों का आना–जाना मुश्किल हो रहा है। पशुओं के चारे के साथ खुद के खाने का समस्या बनी हुई है।सरयू नदी के जलस्तर में कमी आने से 15 गांव के लोगों के दरवाजे से बाढ़ का पानी हट गया लेकिन अभी भी तीन गांव के लोगों के दरवाजे पर बाढ़ का पानी जमा हुआ है।

ग्राम प्रधान बालेंद्र कुमार, राजाराम, लालमन, लालचंद, दीनदयाल, ओमकार, सीताराम आदि का कहना है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का निर्माण हुआ तो कम्हरिया घाट के पास स्थित जल निकासी के लिए बनाई गई पुलिया को बंद कर दिया गया पुलिया बंद होने की वजह से बाढ़ का पानी उस रास्ते नदी में नहीं जा पा रहा है।

दरवाजे पर बाढ़ का पानी पड़ा हुआ है। आने जाने वाले रास्तों पर नाव चलाने लायक नहीं रह गया है। लेकिन रास्ते पर कीचड़ युक्त पानी पड़ा हुआ है जिसके कारण कीचड़ से होकर लोगों को अपने घरों को आना जाना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या छोटे–छोटे स्कूली बच्चों के सामने आ गई है। वह कीचड़ में गिर जाते हैं तो कपड़ा बर्बाद हो जाता है और स्कूल की जगह घर वापस चले आते हैं। पशुओं को खिलाने के लिए न तो भूसा है और न हीं खेत में हरा चारा बचा हुआ है। सीवान में अभी काफी फसलें डूबी हैं। बाढ़ के कारण धान की फसल नष्ट हो चुकी है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 206 / 2010

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

मोतीलाल

बनाम

परशुराम आदि

1. रामनयन पुत्र अधारे साकिन हाटाखास तप्पा हाटा पोस्ट सिसहनिया परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 29–09–2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **29–09–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 14.09. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला संतकबीर नगर

इफ्तखार अहमद आदि

बनाम

मोहम्मद मुकीम आदि

1. मोहम्मद मुकीम पुत्र मोहम्मद रजा 2. अब्दुल्लाह 3. बकसुल्लाह 4. महबूब अली 5. मारूफ पुत्रगण भीखुल्लाह 6. मजीदुर्रहमान **7.** सफीकुर्रहमान 8. महफुजुर्रहमान 9. ओबैदुर्रहमान पुत्रगण मोहम्मद अमीन 10. मेरातुन्निशा पत्नी मो0 अमीन 11. मोहम्मद शोएब 12. मोहम्मद सादिर 13. मोहम्मद साद पुत्रगण अब्दुलरहमान निवासीगण ग्राम बरगदवा कला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 14. ग्राम पंचायत बरगदवाकला क्षेत्र पं0 बेलहरकला तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 1–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी दिलीप कुमार सिंह पुत्र शिवजतन सिंह ग्राम–रकबा पोस्ट–ओझागंज जनपद बस्ती (उ. प्र.) का निवासी हूं। मेरे पुत्र देव सिंह की जन्म तिथि 15–01–2013 है। त्रुटिवश आधार कार्ड में जन्म तिथि 15–01–2015 हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर 15–01–2013 कराया जाय।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद सं0 57 / 2026

शैल कुमारी–सायल

1. शैल कुमारी पुत्री स्व0 कपिलदेव पत्नी विजयनाथ मिश्र साकिन मदरहना हाल मुकाम मझौवा बैकुण्ठ परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी **20–11–2026** मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मुकदमा के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम 14 माह 09 सन 2026 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद संख्या 588 / 2024

शिव कुमार आदि

बनाम

रूबी आदि

2. सुदामा पाण्डेय पुत्र सभापति साकिन मौजा भिउरा तप्पा सिकन्दरपुर पो0 वाल्टरगंज परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम 5 क टेढ़ी तेरही कुशीनगर(उ0प्र)

तारीख पेशी 29–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद संख्या 414 / 2025

विजयपाल सिंह आदि

बनाम

धर्मपाल आदि

2. राजीवशंकर पाण्डेय पुत्र सत्यदेव पाण्डेय निवासी ग्राम बरहपुर पाण्डेय तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com